M - 2020

1011-A

Printed Pages 4

Gen.Hin.(Reg.)

B.A. (Part-I) Examination, 2020

(Three-Year Scheme of 10+2+3)

(Faculty of Arts)

सामान्य हिन्दी

(FOR REGULAR STUDENTS ONLY)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोटः (i) किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

(ii) किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर लिखिए।

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) निरगुन कौन देश को बासी।

मधुकर कहि समुझाइ, सौंह दै, बूझति सांचि न हांसी।।
को है जनक, कौन है जननि, कौन नारि, को दासी?
केसौ बरन भेष है कैसो, किहिं रस में अभिलाषी?
पावैगौ पुनि कियौ आपनौ जो रे कहैगौ गांसी।
सुनत मौन है रह्यो बावरौ, सूर सबै मति नासी।। 5

अथवा

ऐसी मूढ़ता या मनकी।
परिहरि राम-भगति-सुरसरिता, आस करत ओसकनकी।
धूम-समूह निरखि चातक ज्यो, तृषित जानि मति घनकी।
नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचनकी।।
ज्यों गच-काँच बिलोकि सेन जड़ छाँह आपने तनकी।
टूटत अति आतुर अहार बस, छति बिसारि आननकी।
कहँ लौं कहौं कुचाल कृपानिधि! जानत हौ गति जनकी।
तुलसिदास प्रभु हरहु दुसह दुख, करहु लाज निज पनकी।। 5

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

(ग) ज्यों ज्यों लगती है नाव पार
उर में आलोकित शत विचार।
इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम।
शाश्वत नभ का नीला-विकास, शाश्वत शशि का यह रजत-हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास।
हे जग-जीवन के कर्णधार! चिर जन्म-मरण के आर-पार,
शाश्वत जीवन-नौका-विहार।
मैं भूल गया अस्तित्व-ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व दान। 5

अथवा

वह संसार जहाँ पर पहुँची अब तक नहीं किरण है,
जहाँ क्षितिज है शून्य, अभी तक अम्बर तिमिर-वरण है।
देख जहाँ का दृश्य आज भी अन्तस्तल हिलता है,
माँ को लज्जा-वसन और शिशु को न क्षीर मिलता है।
पूछ रहा है जहाँ चकित हो जन-जन देख अकाज,
सात वर्ष हो गए, राह में अटका कहाँ स्वराज? 5

2. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) सेकेंड क्लास तो क्या, मैंने कभी इंटर क्लास में भी सफर न किया था। अबकी सेकेंड क्लास में सफर करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गाड़ी तो नौ बजे रात को आती थी, पर यात्रा के हर्ष में हम शाम को ही स्टेशन जा पहुँचे। कुछ देर इधर-उधर सैर करने के बाद रिफ्रेशमेंट-रूम में जाकर हम लोगों ने भोजन किया। मेरी वेश-भूषा और रंग-ढंग से पारखी खानसामों को यह पहचानने में देर न लगी कि मालिक कौन है और पिछलग्गू कौन; लेकिन न जाने मुझे उनकी गुस्ताखी बुरी लग रही थी। https://www.pdusuonline.com 5

अथवा

वर्तमान की कौन-सी अज्ञात प्रेरणा हमारे अतीत की किसी भूली हुई कथा को सम्पूर्ण मार्मिकता के साथ दोहरा जाती है, यह जान लेना सहज होता, तो मैं भी आज गाँव के उस मलिन सहमें नन्हें-से विद्यार्थी की सहसा याद आ जाने का कारण बता सकती, जो एक छोटी लहर के समान ही मेरे जीवन-तट को अपनी सारी आर्द्रता से छूकर अनन्त जलराशि में विलीन हो गया है। 5

(ख) जब साहित्य, संगीत और कला की अति ने रोम को घोड़े से उतारकर मखमल के गद्दों पर लिटा दिया-जब आलस्य और विषय-विकार की लंपटता ने जंगल और पहाड़ की साफ हवा के असभ्य और उद्दंड जीवन से रोमवालों का मुख मोड़ दिया तब रोम नरम तकियों और बिस्तरों पर ऐसा सोया कि अब तक न आप जागा और न कोई उसे जगा सका। ऐंग्लोसेक्सन जाति ने जो उच्च पद प्राप्त किया बस उसने अपने समुद्र जंगल और पर्वत से संबंध रखने वाले जीवन से ही प्राप्त किया। जाति की उन्नति लड़ने-भिड़ने, मरने-मारने लूटने और लूटे जाने शिकार करने और शिकार होने वाले जीवन का ही परिणाम है। 5

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

अथवा

पिछले दौर के अभ्यस्त हाथ अब अकुशल कारीगरों में बदल दिए गए थे। ऐसे बहुत से लोग जो गुनीजनखाना यानी गुणी माने गए जनों की सूची में थे, वे अब अनपढ़, असभ्य, अप्रशिक्षित माने जाने लगे। उस नए राज और उसके प्रकाश के कारण चमकी नई सामाजिक संस्थाएँ, नए आंदोलन भी अपने ही नायकों के शिक्षण-प्रशिक्षण में अंग्रेजों से भी आगे बढ़ गए थे। आजादी के बाद की सरकारों, सामाजिक संस्थाओं तथा ज्यादातर आंदोलनों में भी यही लज्जाजनक प्रवृत्ति जारी रही है। 5

3. (क) तुलसी के काव्य की विशेषताएं बताइये। 7½

अथवा

"कबीर कवि की अपेक्षा समाज सुधारक अधिक थे।" सोदाहरण समीक्षा कीजिये। 7½

(ख) "निराला के काव्य में गरीब तथा शोषित जन के प्रति गहरी सहानुभूति है।" सिद्ध कीजिये। 7½

अथवा

पंत के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 7½

4. (क) प्रेमचंद की कहानी कला की विशेषता बताते हुए 'नशा' कहानी का उद्देश्य बताइए। 7½

अथवा

"वापसी कहानी आधुनिक युग के वास्तविक यथार्थ को प्रस्तुत करती है।" कथन की कहानी के आधार पर समीक्षा कीजिये। 7½

(ख) आचरण की सभ्यता निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये। 7½

अथवा

'बसन्त का अग्रदूत' संस्मरण के आधार पर निराला का चरित्र-चित्रण कीजिये। 7½

5. (क) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिये : शब्द सीमा (300 शब्द) 8

(i) संचार क्रान्ति

(ii) पुस्तकालय का महत्त्व

(iii) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

(iv) स्वच्छ भारत अभियान

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक उक्ति का पल्लवन कीजिए: 5

(i) चंदन विष व्यापत नहीं लिपटे रहत भुजंग

(ii) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(iii) परहित सरिस धर्म नहीं भाई। परपीड़ा सम नहीं अधमाई।

(ग) प्रस्तुत गद्यावतरण का एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए, तथा उपयुक्त शीर्षक लिखिये। 4

परिश्रम एक ऐसी साधना है, जिसके द्वारा मनुष्य महान् से महान् कार्य कर सकता है। परिश्रमी मनुष्य संसार में क्या नहीं कर सकता? वह पर्वत की चोटियों पर चढ़ सकता है, दुरूह से दुरूह रेगिस्तान को पार कर सकता है। कठिन से कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करके उन्हें अपने जीवन के अनुरूप बना सकता है। जिस व्यक्ति में परिश्रम का गुण है, जिसमें पुरुषार्थ की प्रवृत्ति है वह अपने जीवन में कदापि दुःख और निराशा के झंझावतों से भयभीत नहीं हो सकता।

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

अथवा

किसी भी देश और जाति की सांस्कृतिक चेतना का स्पष्ट चित्र उसकी अपनी भाषा के साहित्य में दिखलाई पड़ता है, क्योंकि समाज और साहित्य एक-दूसरे के अभिन्न अंग हैं। एक के बिना दूसरे की कल्पना भी संभव नहीं है। रामायण, महाभारत, साकेत, कामायनी और गोदान आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। साहित्यकार अपने युग का चितेरा होता है। उसके साहित्य में अपने समाज का जीवन स्पंदन विद्यमान रहता है। इसी अर्थ में वह उसका दर्पण होता है। 4

(घ) (i) राजकीय कार्यों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निदेशक, भाषा विभाग, शासन सचिवालय जयपुर को एक पत्र लिखिये। 4

अथवा

अपने शहर की नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी के नाम एक कार्यालयी पत्र लिखिये जिसमें आपके मोहल्ले में व्याप्त गंदगी की सफाई करवाने हेतु अनुरोध किया गया हो। 4

(ii) अपने आप को छात्रसंघ अध्यक्ष मानते हुए राजस्थान के उच्च शिक्षा मंत्री को छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन हेतु एक आमंत्रण पत्र लिखिये। 4

अथवा

किसी भी एक कार्यालय-आदेश का प्रारूप प्रस्तुत कीजिये। 4

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए : 5

(i) Academy
(ii) Advance
(iii) Article
(iv) Audit
(v) Disposal
(vi) Indicator
(vii) Junior
(viii) Period

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए: 5

(i) हरीश
(ii) रमेश
(iii) वधूत्सव
(iv) एकैक
(v) अन्विति
(vi) पावक
(vii) वाङ्मय
(viii) सरोज

(छ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए: 5

(i) रामायण सबसे श्रेष्ठतम ग्रंथ है।
(ii) मेरा तो होश उड़ गया।
(iii) साहित्य और जीवन का घोर संबंध है।
(iv) मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।
(v) प्रत्येक को तीन-तीन पुस्तकें दीजिये।

(ज) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ बताते हुए, वाक्य में प्रयोग कीजिए: 5

(i) आँखों का तारा
(ii) कंगाली में आटा गीला
(iii) काठ का उल्लू
(iv) बंदर की बला तबेले के सिर पड़ना
(v) हथेली पर सरसों जमाना

(झ) विशेषण किसे कहते हैं? विशेषण के भेदों के नाम की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिये। 5

अथवा

क्रिया किसे कहते हैं? इसके कितने भेद होते हैं? उदाहरण सहित परिभाषा दीजिये।

—x—

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com